









बच्चों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

इंदौर. पिनैकल ड्रीम्स स्कूल परिसर में आज दीपावली के पावन पर्व पर कुछ ऐसा ही उल्लास और जगमगाता माहौल नजर आया, जब पूरा विद्यालय पारंपरिक उत्सव के रंग में सराबोर दिखा.

मौके पर मौजूद रहकर नजारा देखने पर ऐसा लग रहा था मानो पूरा प्रांगण किसी भव्य उत्सव स्थल में बदल गया हो. उत्सव की शुरुआत सुबह विद्यार्थियों के पारंपरिक और रंग-बिरंगे लिबास में स्कूल पहुँचने के साथ हुई. बच्चों के चेहरों की चमक और उत्साह देखते ही



पटाखों से तौबा, मिट्टी के दीयों की रोशनी

बनता था. खासकर प्राथमिक कक्षाओं के नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए आयोजित रंगोली और दीपावली कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता ने इस आयोजन में और जान डाल दी. फर्श पर जब बच्चों ने अपने नन्हीं उंगलियों और रंगों से सुंदर आकृतियाँ उकेरनी शुरू कीं, तो देखते ही देखते मनमोहक रंगोलियाँ बनकर तैयार हो गईं. किसी ने फूलों के डिजाइन बनाए तो किसी ने पारंपरिक दीयों के पैटर्न उकेरे. वहीं, कार्ड मेकिंग गतिविधि में बच्चों ने अपने हाथों से ग्रीटिंग कार्ड तैयार कर अपने दोस्तों और शिक्षकों के प्रति स्नेह जताया. इस लाइव कवरेज के दौरान एक सबसे खास और सराहनीय पहल देखने को मिली- स्कूल प्रशासन द्वारा बच्चों को इको-फ्रेंडली दीपावली का संदेश देना. शिक्षकों ने बच्चों को सरल और व्यावहारिक भाषा में समझाया कि पटाखों का शोर और प्रदूषण हमारे पर्यावरण और सेहत के लिए कितना नुकसानदेह है. बच्चों को यह संकल्प दिलाया गया कि वे इस बार तेज आवाज वाले पटाखों से तौबा करेंगे और केवल मिट्टी के दीयों की रोशनी से त्योहार मनाएंगे.

धनतेरस पर घर-आंगन में सजी रंगोली

इंदौर. धनतेरस से ही शहर में दीपावली की रौनक देखने को मिल रही है. बाजारों से लेकर घरों तक त्योहार की तैयारियां जोरों पर हैं. वहीं घरों में मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए महिलाएं और युवतियां सुंदर रंगोलियां बना रही हैं.

इसी कड़ी में रेणुका ने धनतेरस के खास मौके पर धन और सोने के सिक्कों से भरे मटके की आकर्षक रंगोली बनाई. इस रंगोली में धन से भरे मटके को खूबसूरत तरीके से दर्शाया गया है, जिसमें से सोने के सिक्के बाहर निकलते





हुए बनाए गए हैं. वहीं बबीता ने भी अपने घर पर धनतेरस के अवसर पर सुंदर रंगोली बनाकर त्योहार की खुशियां मनाई. दोनों ने अपनी रचनात्मकता से घर के आंगन को रंगों से सजाया और दीपावली के उत्साह को खास बनाया. धनतेरस पर रंगोली बनाने का विशेष महत्व माना जाता है. इस दिन खासतौर पर धन के मटके, सोने-चांदी के सिक्के, धन की पोटली और आभूषणों की आकृतियां बनाई



आतिशबाजी में दिखेगा नया अंदाज

इंदौर. इस दिवाली सीजन पटाखा मार्केट में पारंपरिक रस्सी बम, शॉट्स, रॉकेट, चकरी और अनार के साथ कई सारे नए व फैंसी डिजाइन के पटाखे भी आए है. गिटार क्रैकर से अनार जैसी चिंगारियां निकलेंगी, तो कहीं कैमरा क्रैकर जलाने पर फ्लैश की तरह रोशनी चमकेगी. ड्रोन थीम क्रेकर से हवा में चिंगारियां उड़ेगी.

फैंसी पटाखों में टैंक के आकार वाला भारत टैंक, हेलिकॉप्टर क्रैकर, रोटेटिंग फुलझड़िया उपलब्ध है. इसके अलावा हॉट व्हील्स चकरी घूमने के साथ अलग-अलग रोशनी बिखेरती है. शॉट्स में पटाखों की रोशनी के साथ म्यूजिक का इफेक्ट भी मिलेगा. इसके अलावा 100, 500 और 1000 शॉट्स वाले बॉक्स उपलब्ध हैं. इनकी कीमत 1 से 15 हजार तक है. रोमन कैंडल भी बड़े आकार में आई हैं, जो पहले के मुकाबले ज्यादा देर तक चलती हैं. कम धुआं और प्रदूषण कम करने के उद्देश्य से तैयार ग्रीन पटाखों में अनार, फुलझड़ी सहित कई विकल्प हैं. सामान्य पटाखों के मुकाबले इनकी कीमत 20 से 30% अधिक है.